

## अंतरराष्ट्रीय परमाणु हथियार पूर्ण उन्मूलन दविस

स्रोत: संयुक्त राष्ट्र

परमाणु हथियारों के खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिये प्रतिवर्ष 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय परमाणु हथियार पूर्ण उन्मूलन दविस मनाया जाता है। इसे वर्ष 2013 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा घोषित किया गया था।

- वर्ष 1978 में आयोजित नरिस्तरीकरण को समर्पित संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रथम विशेष सत्र में परमाणु नरिस्तरीकरण की प्रासंगिकता की पुनः पुष्टिकी गई।
- परमाणु ऊर्जा आयोग ने परमाणु ऊर्जा को नयित्तरति करने और सामूहिक वनिाश के हथियारों को खत्म करने के उपायों का प्रस्ताव रखा।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा की अन्य पहल:
  - व्यापक नरिस्तरीकरण, 1959
  - नरिस्तरीकरण पर विशेष सत्र, 1978
  - परमाणु हथियारों के नषिध पर संधि (TPNW) का समर्थन किया
- भारत के प्रयास:
  - भारत ने अप्रसार और नरिस्तरीकरण का समर्थन करते हुए समयबद्ध ढाँचे के तहत सार्वभौमिक, गैर-भेदभावपूर्ण और सत्यापन योग्य परमाणु नरिस्तरीकरण की वकालत की है।
  - भारत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता के लिये खतरा पैदा करने वाली संस्थाओं को प्रौद्योगिकी, सामग्री या घटकों के हस्तांतरण को नयित्तरति करने वाले वभिनिन समूहों का हसिसा है।
- वासेनार व्यवस्था
- ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (AG)
- मसिाइल प्रौद्योगिकी नयित्तरण व्यवस्था (MTCR)

और पढ़ें: भारत का सुरक्षति परमाणु भवषिय